GOD'S SIMPLE PLAN OF SALVATION

Introduction

The Bible is very clear that you can know for sure that when you die that you can go to heaven. The question is do you believe what God says in his word.

1 John 5:13 हम तोहनी के, जे परमेसर के बेटा के नाँव पर बिसवास करऽ हु, एहिसे लिखली हे कि तोहनी जानहु कि अनन्त जि नगी तोहनी के हे।

I We are all sinners!

It is not hard to admit that we all have done things that we know is wrong, but yet we do them anyway. That is called sin! We all are guilty of it we have been doing it since we were born.

Romans 3:10 जयस न लिखल हे: "कोइ धारमी नञ, एक्को गो नञ।

Romans 3:23 एहिसे कि स भे पाप कयलन हे आउर परमेसर के महिमा के बिना हथ,

Romans 5:12 एहिसे जयस न एगो आमदी के ज रिये पाप दुनिया में आय ल, आउर पाप के ज रिये मउत आय ल, आउर ई तरे मउत सभ आमदिय न में फइल गेलइ, काहेकि स भ पाप कय लकय ।

We are all sinners!

II There is a cost for that sin!

Romans 6:23 काहेकि पाप के मजुरी त मउत हे, बाकि परमेसर के बरदान हमनी के परभु यीसु में अनन्त जि नगी हे।

Revelation 21:8 बाकि डरपोकवन, आउर अबिस वासीय न, आउर घिनौनवन, आउर हतिय रवन आउर बेभिचारिय न, आउर टोनहवन, आउर मूरति उपासना करे वाला, आउर सब झूठ के बदला ऊ तालाब में मिलतइ जे आग आउर गन्ध् क से ज रइत रहऽ हे: ई दूस रका मउत हे।"

Revelation 20:11-15 फिन हम एगो बड़का उज्जर सिंहास न आउर उनका, जे ओकरा पर बइठल हथ, देखली; उनकर सामने से धरती आउर अस मान भाग गेलइ, आउर उनकरा लेल जगह नञ मिललइ। फिन हम छोट बड़ सब मरल के सिंहास न के सामने खड़ा देखली, आउर किताबवन खोलल गेलइ; आउर फिन एगो आउर किताब खोलल गेलइ, माने जि नगी के किताब; आउर ज इस न ऊ किताबवन में लिखल हलइ, ओइस ने उनकर काम के मोताबिक मरल के नेया य कयल गेलइ। समुन्दर ओ मरल के जे उनका में हलन दे देलन, आउर मउत आउर पाताल ऊ मरल के जे उनका में हलन दे देलन, आउर उनका में से हरेक के काम के मोताबिक उनकर नेया य कयल गेलइ। मउत आउर पाताल आग के तालाब में पेफक देल गेलइ। ई आग के तालाब दूस रका मउत हे आउर जे कोइ के नाँव जि नगी के किताब में लिखल नञ मिलल, ऊ आग के तालाब में पेफक देल गेलइ।

III Christ died for our sins.

Romans 5:6 काहेकि जब हमनी अबरे हलिअई, त मसीह सही बखत पर पापि य न ला मरलथी।

Romans 5:8 बाकि परमेसर हमनी पर अप्पन प रेम के भलाइ ई तरीका से परगट करऽ हथ कि जब हमनी पापि ये हलिअई तइयो मसीह हमनी ला मरलथी।

Romans 14:9 काहेकि मसीह एहिसे मरलथी आउर जीओ उठलथी कि ऊ मरल आउर जि न्दा दुन्नो के परभु होय ।

Romans 6:23 काहेकि पाप के मजुरी त मउत हे, बाकि परमेसर के बरदान हमनी के परभु यीसु में अनन्त जि नगी हे।

Christ died for sinners!

IV Salvation is a free gift, not by good works. You must take God's word for it, and trust Jesus alone!

Salvation is trusting and receiving Jesus Christ as your Savior. It's trusting in the fact that Jesus Christ died on the cross of Calvary to pay for your sins! It's realizing there is absolutely nothing whatsoever you can do to save yourself and *completely* trusting in Jesus Christ to save you! It's not any church that saves. It's not any baptism, not good works, not sacraments, not repenting, not praying through, not living a good life — IT'S NOT ANYTHING YOU CAN DO!

Acts 4:12 कउनो दूस रा के हाँथे उद्धार नाहीं काहेकि सरग के नीचे आमदी में आउर कोइ दोसर नाँव नञ देल गेलइ, जेकरा हाँथे हम उद्धार पा स किअइ।"

Ephesians 2:8-9 काहेकि बिसवास के ज रिये किरपे से तोहनी के मुक्ति होलइ हे अउर ई तोहनी दन्न से नञ बलुक परमेसर के दान हे, अउर नञ करम के ओज ह, अइसन नञ हो कि कोइ घमण्ड करे।

Titus 3:5 त ऊ हमनी के उद्धार कय लथी; आउर ई धरम के काम के ओज ह से नञ, जे हमनी अपने कय ली, बाकि अप्पन दया के मोताबिक नया ज लम के नहावे आउर पवित्तर आत्मा के हमनी के नया बनावे से होलय ।

V We must put our faith and trust in Christ in order to be saved.

If you want to accept Jesus Christ as your Savior and receive forgiveness from God, here is prayer you can pray. Saying this prayer or any other prayer will not save you. It is only trusting in Jesus Christ that can provide forgiveness of sins. This prayer is simply a way to express to God your faith in Him and thank Him for providing for your forgiveness.

"Lord,

I know that I am a sinner. I know that I deserve the consequences of my sin, which is death and hell. However, I am trusting in Jesus Christ as my Savior. I believe that His death and resurrection provided for my forgiveness. I trust in Jesus and Jesus alone as my personal Lord and Savior. Thank you Lord, for saving me and forgiving me! Amen!"

If you just prayed that prayer — according to the Word of God — YOU ARE SAVED! HALLELUJAH!

You say, but I don't feel any different. Guess what? Your salvation does not depend on your feeling. **It ALL depends on doing what God SAID!**

God said if you receive and trust in Jesus Christ you are saved. Notice it does NOT say you "might" or "could" be saved — but "shall be saved". **YOU ARE SAVED!**

"जे कोइ परभु के नाम लेतइ, उद्धार पय तइ।" Romans 10:13

Didn't you just believe on the Lord Jesus Christ? Look at what John 3:36 says! It says you HATH EVERLASTING LIFE! Not "maybe" or "hope so" — BUT HATH — YOU ARE SAVED!

जे बेटा पर बिसवास करऽ हे अनन्त जि नगी ओकर हे बाकि जे बेटा के नञ मानऽ हे, ऊ जि नगी के नञ देखतइ, बाकि परमेसर के किरोध ओकरा पर रहऽ हे।" John 3:36

Friend, if you prayed the prayer and received Jesus Christ — YOU ARE SAVED! **You did what God said — AND GOD CANNOT LIE!**

Amazing Grace Publishing * PO Box 1963 * Joshua TX 76058 * 817-426-1828 * E-Mail JamesAV@aol.com